श्रुत पंचमी पर्व 24 मई : सम्पादकीय पृष्ठ 5 पर

जैन समाज में आज की ज्वलंत समस्या, सही उम्र में शादी का न होना पेज 05

आचार्य श्री शांति सागर जी

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

www.Jaingazette.com

वर्ष 29 अंक 30 कुल पृष्ठ 08 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 22 मई 2023, वीर नि. संवत् 2549

Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

सोनागिर पर्वत पर गूंजे चन्द्रप्रभु के जयकारे

आर्यिका स्वस्तिभूषण का सोनागिर में भव्य प्रवेश

1 जून को होगा सहस्त्रकूट जिनालय का शिलान्यास

मनोज नायक, मुरैना

सोनागिर, म. प्र.। गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ का सिद्धक्षेत्र सोनागिर जी में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। गणिनी आर्यिका श्री लक्ष्मीभूषण माताजी एवं विदुषी लेखिका, स्वस्तिधाम प्रणेत्री गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ का 13 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद 14 मई को प्रातःकालीन बेला में श्री सोनागिर सिद्धक्षेत्र में तीर्थ वन्दना हेतु भव्य मंगल प्रवेश हुआ। श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिर कमेटी के अध्यक्ष योगेश जैन (खतौली बाले) दिल्ली, मंत्री बालचन्द जैन ग्वालियर ने अपनी पूरी टीम के साथ क्षेत्र की सीमा पर पहुँचकर पूज्य आर्यिका संघ की अगवानी की। पूज्य आर्यिका संघ को बैंडबाजों, ढोल तांसों के साथ शोभायात्रा के रूप में भव्य प्रवेश कराया गया। सोनागिर जी में विराजमान क्षुल्लिका पूजाभूषण एवं क्षुल्लिका भक्तिभूषण माताजी ने पूज्य आर्यिका संघ की अगवानी की। विशाल जनसमुदाय के साथ ही पूज्य आर्यिका संघ ने तीर्थराज सोनागिर पर्वत की वन्दना की। पर्वत पर भगवान श्री चन्द्रप्रभु के अभिषेक, शांतिधारा, पूजन के पश्चात् गणिनी आर्यिका गुरुमां श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने अपनी अमृतमयी वाणी में सभी को शुभाशीष प्रदान किया। सोनागिर में श्री सहस्त्रकूट जिनालय की स्थापना की जाएगी जिसका शिलान्यास 01 जून को होना प्रस्तावित है। अम्बाह नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष जिनेश जैन अम्बाह एवं भागचंद सुनीलकुमार भण्डारी मुरेना ने नवनिर्माणाधीन सहस्त्रकूट जिनालय में एक एक प्रतिमा स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान की। गुरुमां के भक्त महेंद्र जैन (दुहिया वाले) मुरार ने जानकारी देते हुए बताया कि पूज्य आर्यिका संघ को श्री सिद्धक्षेत्र सोनागिर कमेटी, जैन समाज एवं जैन मिलन डबरा, जैन युवा सेवा मंडल मुरार, ज्ञानतीर्थ परिवार, सकल जैन समाज मुरेना, जैन समाज अम्बाह ने चातुर्मास हेतु श्रीफल अर्पित किया। इस अवसर पर योगेश जैन (खतौली वाले) दिल्ली, बालचंद जैन ग्वालियर, राजेंद्र जैन एडवोकेट, मूलचंद जैन ठेकेदार, जिनेश जैन अम्बाह, आनन्द जैन (खेकड़ा बाले) दिल्ली, योगेश जैन (खोआ वाले), महेन्द्र जैन, सौरभ जैन (बड़गांव), भानु प्रकाश जैन नेताजी, दिनेशचंद जैन (ऐसा वाले), श्री दिगंबर जैन पंचायती कमेटी मुरार के सभी सदस्य गण, ज्ञान तीर्थ परिवार एवं मुरैना से ब्र. बहिन अनीता दीदी, ललिता दीदी, भागचंद भण्डारी, महेशचंद बंगाली, धर्मेंद्र जैन एड., राजकुमार जैन, पदमचंद जैन, महेश जैन, सुनील जैन, शैंकी जैन, सुनीत जैन, डबरा से क्षेत्रीय संयोजक मनोज जैन एकांत, क्षेत्रीय शाखा संयोजक संजय जैन (मगरोनी वाले), रितेश जैन, राजू जैन, प्रेमचंद जैन, अमित जैन, कपूरचंद जैन, नवीन कुमार जैन एवं डबरा महिला मंडल सहित सैकड़ों की संख्या में सभी शैलियों के साधर्मी बन्धु मौजूद थे।

आचार्य प्रमुख सागर जी का धूबड़ी में मंगल प्रवेश

पुष्पगिरी तीर्थ प्रणेता गणाचार्य 108 श्री पुष्पदंत सागर जी महाराज के प्रियाग्र शिष्य परम पूज्य आचार्य श्री प्रमुख सागर जी महाराज ससंघ का सम्मेद शिखर जी तीर्थ से विहार होते हुए असम की सीमा में प्रवेश एवं धूबड़ी में गाजे बाजे के साथ बहुत ही हर्षोल्लास पूर्वक सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में जयकारों की ध्वनि के साथ सुबह लगभग 8:00 बजे मंगल प्रवेश हुआ। यह बहुत कम दिखाई पड़ता है कि सरकार द्वारा पूरा क्षेत्र सील कर दिया गया हो तथा सम्पूर्ण सामाजिक व्यवस्था के तहत वहां आचार्य श्री का शानदार पब्लिक प्रवचन हुआ, जिसमें जैन एवं जैनेत्तर की काफी संख्या में उपस्थिति देखी गई। इस वर्ष का चातुर्मास गुवाहाटी में होना संभावित है।

Vayudoot Group
लाः नेमचन्द जुगल किशोर जैन तीर्थ यात्रा संघ

Vayudoot WORLD TRAVELS INDIA PVT. LTD
Vayudoot DESTINATION WEDDINGS & EVENTS
Vayudoot GROCERIES
Vayudoot CATERERS

वायुदूत की सुप्रसिद्ध शुद्ध स्वादिष्ट किचन वाली जैन भोजन सुविधा

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा जयपुर

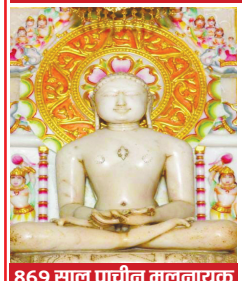
869 साल प्राचीन मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

शांतिधारा का प्रसारण

LIVE

आरती : 7:15 - 7:45 AM

शांतिधारा : 8:30 AM

@jainmandirhasteda

नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन के लिए संपर्क करें:

अमित शर्मा (Manager)-9783016885

हस्तेड़ा जैन मंदिर दूरी-दिल्ली से 250 किमी.एवं जयपुर से 65 किमी.

संपर्क सूत्रः

नितिन कुमार पाटनी (मंत्री) 9001255955

मनीष जी गंगवाल (कोषाध्यक्ष) 095880-20330

नामांकित शांतिधारा के लिए किसी भी राशि का आग्रह नहीं है।

JK MASALE SINCE 1957

Buy online on jkcart.com

— Breakfast Matlab —

JK POHA

Shudh Khao Swasth Raho...

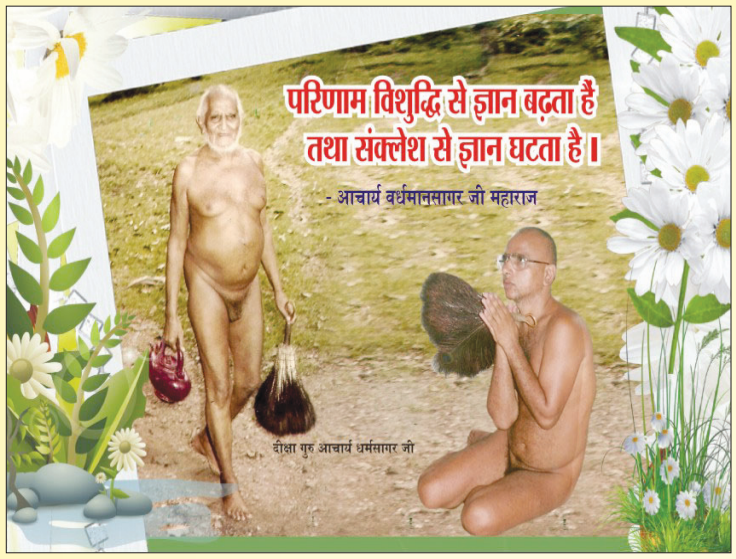

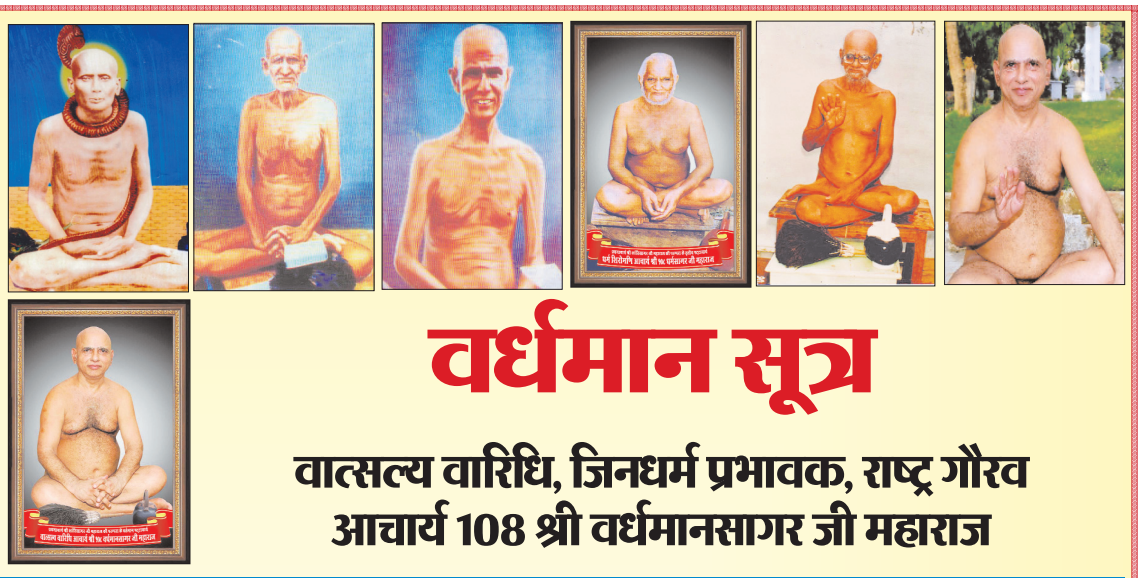

वर्धमान सूत्र

वात्सल्य वारिधि, जिनधर्म प्रभावक, राष्ट्र गौरव
आचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज

आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज उदयपुर में ससंघ विराजमान हैं। आचार्य श्री ससंघ के चरणों में शत् शत् वंदन, शत् शत् नमन्

नमनकर्ता

वीरेन्द्र हेगड़े
धर्मस्थल

सरिता जैन
चेन्नई

सौभाग्यमल कटारिया
अहमदाबाद

राजेन्द्र कटारिया
अहमदाबाद

रत्नप्रभा सेठी
गुवाहाटी

ज्ञानचन्द पाटनी
दुर्ग

रमेश काला
हैदराबाद

प्रकाश चन्द्र-सरला देवी पाटनी
शिलोंग

श्रीमती सुधा सोनी
अजमेर

जयपुर के नमनकर्ता

नरेन्द्र कुमार पाटनी
निखार

नवरतन मल पाटनी
अष्टम प्रतिमाधारी

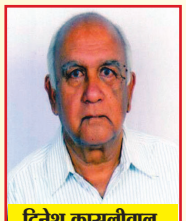
दिनेश कासलीवाल,
(जयपुर के प्रमुख समाजसेवी लाल हवेली वाले)

श्रीपाल सबलावत, सुरेश सबलावत
(हुलासचन्द सबलावत परिवार)

विवेक काला - श्रीमती आशा काला

श्रीपाल चूड़ीवाल - श्रीमती कुसुम चूड़ीवाल

इन्द्रमणी देवी चूड़ीवाल
(धर्मपत्नी स्व. आनन्दीलाल जी चूड़ीवाल)
निखार फैशन्स, जयपुर

कोलकाता के नमनकर्ता

धर्मचन्द मोदी

पवन मोदी

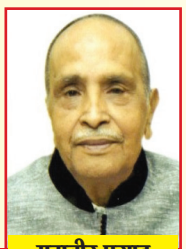
महावीर प्रसाद

सूमेरमल - श्रीमती नर्मदा चूड़ीवाल

श्रीमती सुलोचना सेठी

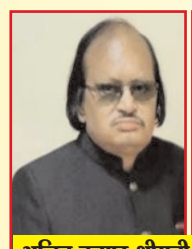
अजित कुमार-श्रीमती विमला देवी पाड्ण्या

विजय कुमार पाटनी
(सी.ए.)

केवलचन्द पाटनी

मदनलाल बज

राजेश कुमार
छाबड़ा

चान्दमल - शान्तिदेवी सरावगी

विनोद कुमार
कासलीवाल

डीमापुर के नमनकर्ता

श्रीमती फूली देवी
कासलीवाल

दुलीचन्द विनायक्या

अनिल टोंग्या

निर्मल झांझरी

अजीत पाटनी
(सीए)

शिखरचन्द बाकलीवाल

श्रीमती फूला देवी
गंगवाल

पन्नालाल सेठी

प्रदीप कुमार

श्रीमती सरोज
झांझरी

अशोक कुमार

किरण छाबड़ा

सुरेश कुमार छाबड़ा

डॉ. सुनिल कुमार-श्रीमती अनीता सेठी

विज्ञापन प्रेषक: R. K. Advertising द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...
SANTOSH JAIN & ASSOCIATEL
SWATI VINIMAY & CONSULTAN PVT. LTD
ANAMICA TRADERS PVT. LTD.
L. N. FINANCE PVT. LTD.
OFFICE
CITY TRADE CENTER,
PNB Building, 4th Floor, A.T. Road, Guwahati-781001
M. : 94350-48488 (O) / 97060-48488 (R) / 99574-97927

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला | श्रीमती सरिता काला | संदीप-स्वाति पाटनी | श्रेयांस काला

RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H.S.Road, Chhatribari, Guwahati-781008
E-mail : casantoshkala@gmail.com

SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

गोंदिया में हुआ जन्म भूमि गौरव दिगम्बराचार्य पुष्पदंत सागर जी द्वार का निर्माण भूमि पूजन

नरेंद्र अजमेरा
पियुष कासलीवाल, संवाददाता

औरंगाबाद। महाराष्ट्र की पावन भूमि गोंदिया जिस भूमि पर जन्म लिया पुष्पगिरी तीर्थ प्रणेता गणाचार्य पुष्पदंत सागरजी महाराज और जिनके परम प्रभावक शिष्य तपोशिरोमणि, अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्नसागर जी महाराज की पावन प्रेरणा से गोंदिया की पावन भूमि में हुआ भव्य द्वार का निर्माण भूमि पूजन।

अंतर्मना गुरुदेव के द्वारा जन्म भूमि गौरव दिगंबराचार्य पुष्पदंतसागर द्वार के नाम से उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर आचार्य श्री प्रसन्नसागर जी महाराज ने कहा कि पैसा मानव मन की सबसे खराब खोज है लेकिन मनुष्य के चरित्र को परखने की सबसे विश्वसनीय सामग्री है। जीवन केवल धन कमाने के लिए नहीं, वह धर्म कमाने और पुण्य को बढ़ाने के लिए भी है। पुण्य को बढ़ाए बिना, जीवन में बरकत संभव नहीं है। धर्म को बढ़ाए बिना, धन बढ़ने वाला भी नहीं है। धन की तृष्णा दुस्तूर है। यह काम वासना से भी भयंकर है। धर्म से ही मन की भूख को तृप्त किया जा सकता है। धर्म शास्त्रों को कम करने के लिए और दीवारों को छोटी करने के लिए है। दीवारें रखिए लेकिन इतनी ऊंची मत रखिए कि अपना भाई और पड़ोसी ही दिखाई ना पड़े। इतना दान मत करो कि किराए के मकान में रहना पड़े और इतना संग्रह भी मत करो कि नर्क में जाना पड़े। जितनी शक्ति है, सामर्थ्य है उतना करो, शक्ति का अतिक्रमण भी ना करो और उसे छुपाओ भी नहीं। सामर्थ है तो दान पुण्य तीर्थ यात्रा करनी ही चाहिए। नहीं कर पा रहे हो तो करने वालों की अनुमोदना करना चाहिए।

मीना एवं रामकली जैन दीक्षा ग्रहण कर बनेंगी क्षुल्लिका माताजी

5 जून को ग्राम हथनी (दमोह) में होगी दीक्षा

मनोज नायक

मुरेना। जैन समाज मुरेना की दो विदुषी महिलाएं आत्म कल्याण हेतु गृह त्याग कर 5 जून को जैनेश्वरी दीक्षा धारण कर जैन साध्वी बनेंगी। मुरेना नगर के वरिष्ठ समाजसेवी, उद्योगपति पवन जैन (रतीराम पुरा वाले) की मातुश्री श्रीमती मीना जैन धर्मपत्नी स्व. श्री ओमप्रकाश जैन एवं स्थानीय शिक्षक नीलेश जैन की मातुश्री श्रीमती रामकली जैन धर्मपत्नी श्री नत्थीलाल जैन (चांदपुर वाले) ने सांसारिक सुख, मोह माया का त्याग कर जैनेश्वरी आर्यिका दीक्षा ग्रहण करने का दृढ़ निश्चय किया है। आप दोनों विदुषी महिलाओं को ग्राम हथनी (दमोह) मध्य प्रदेश में 5 जून 2023 को परम पूज्य अभिक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनन्दी जी महाराज की परम प्रभावक शिष्या गणिनी आर्यिका श्री सौम्य नन्दिनी माताजी के कर कमलों द्वारा क्षुल्लिका जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की जाएगी।

हम पहले लोकाचार का तो पालन करें

भिलाई। मूलाचार या श्रावकाचार की बात तो तब समझ आये जब हम लोकाचार का तो पालन करें। हम बड़ी बातें करते हैं, आचार्य की जय जयकार करते हैं परंतु जैनों के 3 चिन्हों से हम दूर होते जा रहे हैं। ये उद्गार मैनपुरी गौरव 'वर्णी क्षुल्लक श्री सहज सागर जी' ने प्रवचन करते हुये व्यक्त किये। उन्होंने आगे कहा कि हम हजारों मूर्तियों हेतु राशि तो दे देते हैं पर अभिषेक करने को तैयार नहीं। मोक्षमार्ग में थ्योरी व प्रैक्टिकल दोनों चाहिये। ज्ञान जरूरी है पर अकेला ज्ञान फल नहीं देता, चारित्र चाहिये। स्व पर भेद विज्ञान की बात करने वाले विद्वान् बातें करते करते चले गये, पर पिच्छी हाथ में नहीं आई तो मरण सफल नहीं हुआ व जिसका मरण अच्छा नहीं उसका जन्म भी अच्छा नहीं हो सकता। अतः अपने जीवन में चारित्र को धारण करो। सबसे पहले सुबह भिलाई में वैशाली नगर के श्री महावीर जिनालय में पहुँचने पर उपस्थित अपार जन समूह को संबोधित करते हुये अन्तर्मना तपाचार्य श्री प्रसन्नसागर मुनिराज ने अपने संघ के क्षुल्लक श्री को 'वर्णी' पद से विभूषित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आज से हमारे क्षुल्लक वर्णी श्री सहज सागर जी के नाम से जाने जाएंगे।

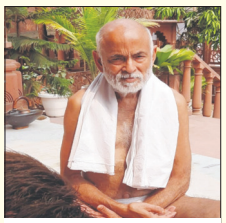

क्षु. सहज सागर जी

उन्होंने कहा कि एक बार दीक्षा के बाद मुझे भी उनमें वर्णी जैसी छवि दिखी थी। अमरकंटक आचार्य श्री विद्यासागर जी के पास दर्शनार्थ जाने पर आचार्य श्री ने भी कहा था कि वर्णी जी जैसे लगते हो। आज गुरुपुष्य योग है स्थान भी अनुकूल है तो मैं भिलाई जैन समाज को यह सौभाग्य देना चाहता हूँ व गणेश प्रसाद जी वर्णी, सहजानंद जी जिनेन्द्र जी वर्णी की परंपरा को आगे बढ़ाना चाहता हूं। पूरी समाज ने करतल ध्वनि, तालियों व जयकारों के साथ अनुमोदना की। अन्य दोनों क्षुल्लक श्री को भी उन्होंने वर्णी पद देने की घोषणा की। ज्ञातव्य है कि वर्णी क्षुल्लक श्री सहज सागर जिन दीक्षा से पूर्व भारत के जाने माने विद्वान् डॉ. सुशील कुमार जैन मैनपुरी के नाम से जाने जाते थे। डाक्टरी पेशा के साथ साथ आप धार्मिक प्रवचनों हेतु विदेशों में भी जाते रहे हैं। आपने युवा विद्वानों के प्रोत्साहित करने हेतु आप लगभग 27 वर्षों से एक वाग्भारती नाम से प्रतिवर्ष पुरस्कार भी प्रदान करते रहे हैं। विद्वत् परिषद्, शास्त्री परिषद् आदि अनेक विद्वत्संस्थाओं में आप कई जिम्मेवारी के पद सम्भालते रहे थे।

– डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज'

परम पूज्य वात्सल्य वारिधि, जिन धर्म प्रभावक, राष्ट्र गौरव आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज एवं समस्त मुनि संघ के चरणों में

शत् शत् नमन, शत् शत् वंदन

नमनकर्ता: राजेन्द्र कुमार जैन/भागचन्द्र जैन एवं समस्त छाबड़ा परिवार

'Manik Ratan Bldg', By lane Kamal Patrol Pump, H. B. Road, Machkhowa, Guwahati - 781009 Cell : 919435111035

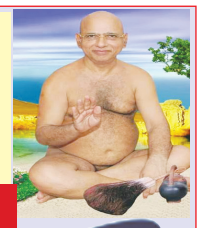

Jain Group

निर्मल – पुष्पा बिन्दायका
बगरू निवासी कोलकाता प्रवासी

EVER GREEN
be positive get positive

Evergreen Hosiery Industries

Corp. Office : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor
Opp. : Moonlight Cinema, Kolkata - 700 073 (W.B.)
Phone : 033 4001 0686, 91633 91228, 80131 20773
Email : evergreenhosieryindustries@yahoo.com
Website : www.evergreenhosieryindustries.com

Hello Bebe
LITTLE POPS KIDS WEAR
Young India Fashions
Address : 123, Lake Town, Block-B (Near Sagar-Sangam) Kolkata - 700 089
Mobile : 98300 05085, 98302 75490

MAHAVEER SAREE
Address : 446, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 75750 41434

EVERGREEN CREATION
Address : 507-508, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 98280 18707, 97279 82406

समस्या समाधान - रवि जैन गुरूजी

प्रश्न 1. गुरूजी, रोजाना सुबह मेरी तबियत खराब हो जाती है। जैसे-जैसे शाम होती है तो स्वास्थ्य ठीक लगता है, मगर सुबह पुनः स्वास्थ्य खराब हो जाता है, काफी इलाज किया - अम्रता बेन, रोहणी (दिल्ली)

उत्तर - अमृता जी, आपकी कुंडली में चन्द्रमा उच्च का बैठा हुआ है, जिसके कारण रात्रि में आपका स्वास्थ्य ठीक रहता है मगर सूर्य नीच का है इसलिए सुबह तबियत खराब होती है। आप 61/4 रत्ती का माणिक्य रत्न धारण करें तथा श्री पदम प्रभु का ध्यान करें।

प्रश्न 2. किसी भी कार्य को करने के पश्चात् मुझे यश नहीं मिलता, क्या कारण है? - अनुपम, दमोह

उत्तर - सूर्य लग्न की कुंडली में लग्न में ही शनि विराजमान है जिस कारण ऐसा होता है। श्री मुनिसुव्रतनाथ जी का चालीसा पढ़ें, अवश्य लाभ होगा।

प्रश्न 3. शुक्र पुण्य योग क्या होता है - सोहन लाल जैन, रेलवे कॉलोनी, लखनऊ

उत्तर - शुक्रवार को पुण्य नक्षत्र हो तो शुक्र पुण्य योग होता है। दोस्ती के लिये उपयुक्त होता है।

प्रश्न 4. गुरूजी, व्यापार के लिये क्या करें, बहुत धीमा चल रहा है - राहुल जैन, दिल्ली

उत्तर - श्री भक्तामर जी का मंत्रित यंत्र व्यापार के स्थान पर रखें तथा श्री भक्तामर जी का 28वां काव्य 10 बार पढ़ें।

आप अपनी समस्या इस पते पर भेजें: रवि जैन गुरूजी, विख्यात् जैन ज्योतिषाचार्य, हस्तरेखा एवं कुंडली मिलान विशेषज्ञ, संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन ज्योतिषाचार्य परिषद् (पंजी.) 1/6991, शिवाजी पार्क, शाहदरा, दिल्ली-32 फोन 011-22325069, 9990402062 (व्हाट्सअप)

आयुर्वेदिक धर्मार्थ औषधालयों, संस्थाओं/वैद्यों के लिये शुभ सन्देश

हमारे यहां आयुर्वेदिक, शास्त्रोक्त एवं पेटेन्ट औषधियों का निर्माण शुद्ध तरीके से अनुभवी वैद्यों द्वारा पूर्ण शास्त्रोक्त विधि द्वारा किया जाता है। पिछले 35 वर्षों से हमारे यहां से विभिन्न धर्मार्थ औषधालयों में औषधियां उचित व थोक मूल्यों पर सप्लाई की जाती हैं। कृपया धर्मार्थ औषधालयों के व्यवस्थापक व वैद्य समस्त जानकारी एवं थोक मूल्य सूची पत्र मँगाने के लिये हमसे सम्पर्क कर हमें आदेश करें।

Mkt. Div. शेम्स ड्रग हाउस (रजि.)
19/133, जैन स्ट्रीट, एस. पी. रोड़, टूण्डला- 283204 फिरोजाबाद (उ.प्र.)
मो. 9837677955, 9045021528

सौ. हेमलता जी पाटनी का जन्म दिन उत्साह से सम्पन्न

चिकलठाणा (महाराष्ट्र)। सुविख्यात समाजसेवी, मुनिभक्त, मराठी-हिन्दी के साहित्यकार, 'मंगलधर्म' 'प्रवचन माला', 'लाल माटी' पुस्तक के बहुचर्चित लेखक, जैन गजट, दै. विश्व परिवार, जिनागम, जिनेन्दु, दौड़ता मनुष्य के प्रतिनिधि, पत्रकार एम. सी. जैन की धर्मपत्नी सौ. हेमलता जी का 15 मई, 2023 को एन-4, सिडको स्थित, सौ. हेमलता एम पाटनी हॉल में णमोकार महामंत्र का जाप देकर केक को सभी को देकर उत्साह से 81वां जन्मदिन मनाया गया। मोमबत्ती का प्रज्जवलन नहीं किया जाता, निरंजनी प्रज्जवलित कर भगवान की आरती की गई। राष्ट्रसंत, सारस्वताचार्य मुनि देवनंदीजी ने तथा भारत गौरव आचार्य गुप्ती नंदी जी ने झूम चॅनेल से आशीष प्रदान किये।

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने दिनांक 23 अप्रैल से 26 अप्रैल तक पूर्वोत्तर भारत का दौरा किया। इस अवसर पर समाज के साथ उपस्थित प्रतिनिधि मंडल के सदस्य

इम्फाल में

डिब्रूगढ़ में

नलबाड़ी में

डीमापुर में

नवीं पुण्य तिथि

जन्म
7/4/1932

स्वर्गवास
28/5/2014

स्व. गुलाब देवी छाबड़ा
(धर्मपत्नी स्व. श्री भीखमचंद जी छाबड़ा)

हमारी प्रेरणास्रोत, मार्गदर्शी जिनका आदर्शमय, संयमित, सत्यनिष्ठ एवं देव-शास्त्र-गुरु के प्रति समर्पित जीवन सदैव एक दीप स्तम्भ की तरह हम सबका पथ आलोकित करता रहेगा।

श्रद्धावनत

संतोष कुमार, अशोक कुमार, बाबूलाल, प्रमोद कुमार, मनोज कुमार, महेन्द्र कुमार, संजय कुमार, हेमन्त कुमार छाबड़ा (पुत्र)
आकाश कुमार, आलोक कुमार, अविन कुमार, सचीन कुमार, पियुष कुमार, आयुष कुमार, साहिल छाबड़ा (पौत्र)

प्रतिष्ठानः शेरमल मानमल
धर्मशाला रोड, इम्फाल- 795001 (मणिपुर) शाखाः डीमापुर, गुवाहाटी, दिल्ली, सूरत, जयपुर

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मो. 09810900009

कार्याध्यक्ष
रमेश जैन तिजारिया
मोबा. 08290950000

महामंत्री
प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
Mob- 09840213132

कोषाध्यक्ष
पवन गोधा
मो. 9311198985

प्रधान सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
मो. 09864118950, 0 9854050969
Email- k.c.jain39@gmail.com

परामर्शक सदस्य
शिवचरणलाल जैन, मैनपुरी
मो. 09219160350
सुरेश जैन 'सरल', जबलपुर
मो. 09425412374
बसन्त कुमार शास्त्री, शिवाड़
मो. 08107581334

सम्पादक
सुधेश कुमार जैन, लखनऊ
मो. 09415108233
नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004 (उ0प्र0)
jaingazette2@gmail.com
dmahasabha@yahoo.com

सह सम्पादक (मानद)
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
राजेन्द्र जैन 'महावीर' सनावद
मो. 9407492577
सुनील 'संचय' ललितपुर
मो. 9793821108

लखनऊ प्रधान कार्यालय प्रबंधक प्रकाशक एवं मुद्रक
सुभाषचन्द्र गुप्ता
मोबा. 09415008344

दिल्ली मुख्य कार्यालय प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, 5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन मंदिर कॉम्प्लेक्स, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -1
011-23344668, 23344669,
digjainmahasabha@gmail.com
www.digjainmahasabha.org

जैन गजट की सदस्यता

वार्षिक (एक वर्ष) रू. 300
आजीवन (दस वर्ष) रू. 2100
निर्धारित रियायती साधारण डाक से कोरियर से मंगाने पर अतिरिक्त शुल्क- दिल्ली, उ.प्र. रू. 1000 अन्य प्रदेश रू. 1500

'जैन गजट' में विज्ञापन

देने हेतु सम्पर्क- 7607921391, 7880978415, 9415108233
जैन गजट में प्रकाशनार्थ लेख, फोटो, समाचार, विज्ञापन आप ईमेल jaingazette2@gmail.com पर भेजें

श्रुत पंचमी पर्व : एक संक्षिप्त विवेचन

दिगम्बर जैन परम्परा में महावीर जयन्ती महोत्सव की तरह श्रुत पंचमी महोत्सव भी अत्यन्त धूमधाम से प्रतिवर्ष मनाया जाता है। प्रतिवर्ष ज्येष्ठ शुक्ला पंचमी तिथि के दिन यह महोत्सव मनाया जाता है। इसी दिन आचार्य धरसेन के सुयोग्य शिष्य आचार्य पुष्पदंत एवं आचार्य भूतबलि द्वारा षट्खण्डागम शास्त्र की रचना पूर्ण हुई थी। इसी उपलक्ष्य में ज्येष्ठ शुक्ला पंचमी को चतुर्विध संघ द्वारा षट्खण्डागम शास्त्र की पूजा की गई। तभी से ज्येष्ठ शुक्ला पंचमी को संसार में श्रुत पंचमी का पर्व प्रख्यात हो गया। ब्रह्म देश की वसुंधरा नगरी के राजा का नाम नहपान था। एक बार इतिहास प्रसिद्ध गौतमी पुत्र सातकर्णी ने ई. सन् 61 में नहपान के राज्य पर प्रबल वेग से आक्रमण कर दिया। दोनों ओर से भयानक युद्ध हुआ। इसमें नहपान पराजित हो गया। पराजय के कारण नहपान के मन में संसार के प्रति वैराग्य भाव उत्पन्न हो गये और उसने एवं वहां के नगर सेठ सुबुद्धि ने दिगम्बर जैन मुनि मुद्रा अंगीकार कर ली। मुनि-दीक्षा के बाद ये क्रमशः पुष्पदंत एवं भूतबलि के नाम से विख्यात हुये।

ये दोनों मुनिवर्य- भूतबलि और पुष्पदंत, अर्हद्बलि आचार्य के मुनि संघ में चले गये। मुनियों के उस विशाल संघ में वे विद्वान् मुनियों में परिगणित किये जाने लगे। एक बार मुनि संघ के अधिपति आचार्य अर्हद्बलि ने आंध्रप्रदेश की महिमा नगरी में मुनि सम्मेलन के अध्यक्ष आचार्य अर्हद्बलि के नाम आचार्य धरसेन का एक आवश्यक पत्र वाहक आया। आचार्य धरसेन गिरनार पर्वत की चन्द्रगुफा में रहकर ध्यान और अध्ययन करते थे। वे बहुत वृद्ध हो गये थे। उनको अग्रायणी पूर्व के पंचम वस्तुगत महाकर्म प्रकृति का ज्ञान था। एक दिन वे चिन्तन में निमग्न थे। उनके मन में विचार आया कि मुझे सिद्धान्त का जो ज्ञान है, अगर वह दूसरों को नहीं दिया गया तो वह मेरे साथ ही चला जायेगा और इस प्रकार विश्व उस ज्ञान से वंचित हो जायेगा।

उस समय भारत में अध्ययन- अध्यापन मौखिक होता था, गुरूजन ज्ञान की विविध विधाओं को शिष्यों को मौखिक देते थे। शिष्य गुरूमुख से सुनकर उस ज्ञान को आत्मसात् कर लेते थे। यही विचार कर आचार्य धरसेन ने मुनि सम्मेलन के अध्यक्ष अर्हदबलि को पत्र लिखा कि मेरी आयु अल्प है। आप दो युवा मुनियों को मेरे पास भेज दें, जिन्हें मैं अपना ज्ञान दे सकूं। आचार्य अर्हद्बलि ने धरसेनाचार्य के वचनों को भलि-भांति समझकर ज्ञान के ग्रहण-धारण में समर्थ, देश-कुल-जाति से शुद्ध, निर्मल विनय से विभूषित और समस्त कलाओं में पारंगत दो युवा मुनियों को भेज दिया। दोनों विद्वान् मुनि वहां से चल दिये। रात्रि के अंतिम प्रहर में आचार्य धरसेन ने स्वप्न में दो श्वेत और स्वस्थ बैलों को देखा, जो सम्पूर्ण शुभ लक्षणों से संयुक्त हैं और जिन्होंने आचार्य धरसेन की तीन प्रदक्षिणा देकर उनके चरणों में सिर नवाया है। आचार्य ने जागने पर स्वप्न का अर्थ समझ लिया कि मुनि-सम्मेलन के द्वारा भेजे हुये दो युवा मुनि यहां शीघ्र ही आ रहे हैं। आह्लाद से आचार्यश्री के मुख से बरबस ही निकल पड़ा-जयदु सुददेवदा। अर्थात् जिनवाणी सरस्वती की जय हो।

उसी दिन दोनों साधु धरसेनाचार्य के पाद मूल में पहुंचे। उन्होंने विनय के साथ आचार्य की चरण वन्दना की और आचार्यश्री के आदेशानुसार दो दिन विश्राम किया। तत्पश्चात् दोनों मुनि आचार्यश्री के चरणों में पहुंचे और उन्होंने अपने आने का प्रयोजन निवेदित किया। आचार्य धरसेन ने उन दो विनयशील मुनियों को अलग-अलग बुलाया और उनकी परीक्षा लेने के लिये छह दिन का उपवास करके विद्या (मंत्र) सिद्ध करने की आज्ञा दी। किन्तु उन्होंने एक मुनि को अधिकाक्षरी विद्या दी और दूसरे मुनि को हीनाक्षरी मंत्र दिया। दोनों को विद्यायें सिद्ध हो गई किन्तु जो दो देवियां प्रगट हुई, उनमें एक देवी बड़े दांतों वाली थी और दूसरी एकाक्षी थी। सुयोग्य शिष्यों ने समझ लिया कि हमारे मंत्र में त्रुटि थी, क्योंकि देवियां सुन्दर होती हैं, वे कुरूप नहीं होती। उन्होंने अपने-अपने मंत्र को शुद्ध किया तथा षष्ठोपवास पूर्वक पुनः मंत्र साधन किया। तब जो देवियां प्रगट हुई, वे अपने स्वाभाविक सुन्दर रूप में थीं। दोनों मुनियों ने गुरूदेव से विद्या-सिद्धि की पूरी बात बताई। गुरूदेव को अपने शिष्यों की सुपात्रता का विश्वास हो गया। तब उन्होंने शुभ नक्षत्र, शुभ वार और शुभ तिथि को महाकर्म प्रकृति नामक ग्रंथ पढ़ाना प्रारंभ किया और आषाढ़ शुक्ला एकादशी की पूर्वाह्न बेला में समाप्त कर दिया। कहते हैं ग्रंथ समाप्त होने की खुशी में भूत जाति के व्यंतर देवों ने शंख और तूर्य बजाकर तथा पुष्प राशि चढ़ाकर बड़े समारोह के साथ पूजा की। आचार्य धरसेन ने उन मुनि का नाम भूतबलि रखा। दूसरे मुनि के दांत अस्त-व्यस्त थे। भूतों ने उनकी दंत पंक्ति समान कर दी और पूजा की। आचार्यश्री ने उनका नाम पुष्पदंत रख दिया। इससे ज्ञात होता है कि उन दोनों मुनियों के नाम इस घटना से पहले अन्य कोई रहे हैं। किन्तु क्या नाम थे, यह जानने का हमारे पास कोई साधन नहीं है। हां इतना अनुमान किया जाता है कि इन दोनों मुनियों में पुष्पदंत भूतबलि की अपेक्षा ज्येष्ठ थे।आचार्य धरसेन ने ग्रंथ समाप्त होते ही अपने विनीत शिष्यों से वहां से चले जाने को कहा। क्योंकि वे जानते थे कि उनकी मृत्यु निकट है। यदि शिष्य उस अवसर पर यहां रहे तो उन्हें दुःख होगा।

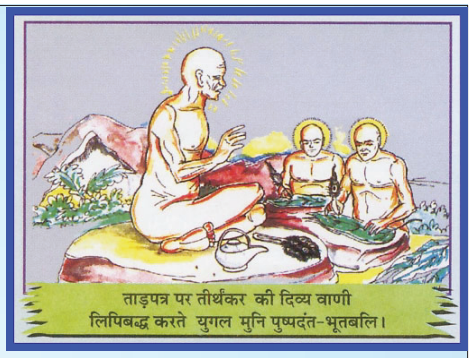
ताड़पत्र पर तीर्थंकर की दिव्य वाणी लिपिबद्ध करते युगल मुनि पुष्पदंत-भूतबलि।

दोनों शिष्य तत्काल विहार करते हुये अंकलेश्वर पहुंचे और वहीं पर चातुर्मास किया। वर्षायोग समाप्त होने पर पुष्पदंत बनवास देश को चले गये जहां उन्होंने षट्खंडागम के सत्प्ररूपणा भाग की रचना की। आचार्य भूतबलि ने पुष्पदंत की अल्पायु जानकर शेष पांच अध्यायों की रचना करके षट्खंडागम को पूर्ण किया फिर उन्होंने उसे पुस्तकारूढ़ करके चतुर्विध संघ के साथ ज्येष्ठ शुक्ला पंचमी को शास्त्र को ज्ञान का उपकरण मानकर पूजा की। तभी से ज्येष्ठ शुक्ला पंचमी को संसार में श्रुत पंचमी का पर्व प्रख्यात हो गया। ।।जिनवाणी माता की जय।

-कपूरचंद पाटनी, प्रधान सम्पादक

श्रुत पंचमी पर हमारा दायित्व

1. ग्रंथों को धूप में रखें। 2. श्रुत पंचमी पर शास्त्रों के वेष्टन (वस्त्र) परिवर्तित करें। 3. पर्व के दिन सरस्वती (जिनवाणी) पूजन का विशेष कार्यक्रम आयोजित करना चाहिए। 4. जिनवाणी को रथ, पालकी या मस्तक पर विराजमान करके धूमधाम से शोभायात्रा निकालकर धर्म की प्रभावना करना चाहिए। 5. इस दिन को प्रकृति दिवस के रूप में भी मनाएं। प्राकृत भाषा के विकास हेतु योजनाएं और क्रियान्वयन हो। 6. जिनवाणी सजाओ प्रतियोगिता, निबंध आलेखन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन करें जिसमें प्रतियोगियों को पुरस्कृत करें। 7. धर्म सभा का आयोजन करके बालक-बालिकाओं एवं श्रावक-श्राविकाओं को श्रुत पंचमी पर्व एवं श्रुत संरक्षण का महत्व बताना चाहिए। युवा पीढ़ी को खासतौर से इस दिन का महत्व बताएं। 8. शास्त्र, ग्रंथ, हस्तलिखित प्राचीन अप्रकाशित पांडुलिपियों का संरक्षण, संवर्धन एवं प्रकाशन करके शास्त्र भण्डार का संवर्धन करना चाहिए। 9. सोशल मीडिया पर इसके महत्व को प्रसारित करें। साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है क्योंकि यदि आज हम गौतम गणधर की वाणी को सुन रहे हैं, पढ़ रहे हैं तो वह श्रुत की है। यदि शास्त्र नहीं होते तो हम उस प्राचीन इतिहास को नहीं जान सकते थे।

- डॉ. सुनील जैन 'संचय' सह सम्पादक

जैन समाज में आज की ज्वलंत समस्या, सही उम्र में शादी का न होना

अगर अभी भी माँ-बाप नहीं जागे तो स्थितियाँ और विस्फोटक हो सकती हैं। हमारा समाज आज बच्चों के विवाह को लेकर इतना सजग हो गया है कि आपस मे रिश्ते ही नहीं हो पा रहे हैं। समाज में आज 27-28-32 उम्र तक की बहुत सी कुँवारी लड़कियाँ घर बैठी हैं क्योंकि इनके सपने हैसियत से भी बहुत ज्यादा हैं, इस प्रकार के कई उदाहरण हैं। ऐसे लोगों के कारण समाज की छवि बहुत खराब हो रही है। पैसे की वजह से अच्छे रिश्ते ठुकराना गलत है। पहली प्राथमिकता सुखी संसार व अच्छा घर-परिवार होना चाहिये। "संपति खरीदी जा सकती है लेकिन गुण नहीं। "30 की उम्र के बाद विवाह नहीं होता, समझौता होता है और मेडिकल स्थिति से भी देखा जाए तो उसमें बहुत सी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। "आज उससे भी बुरी स्थिति कुंडली मिलान के कारण हो गई हैं।

डॉ. (सी. ए.) संतोष जैन काला
गुवाहाटी 9435048488

1. माता पिता की अति महत्वाकांक्षा से 27-28-32 उम्र के कुँवारी लड़के/लड़कियाँ घर पर बैठे हैं-

आप सोचिए जिनके साथ कुंडली मिलती है लेकिन घर और लड़का अच्छा नहीं और जहाँ लड़के में सभी गुण हैं वहां कुण्डली नहीं मिलती और हम सब कुछ अच्छा होने के कारण भी कुण्डली की वजह से रिश्ता छोड़ देते हैं, आप सोच के देखें जिन लोगों के 36 में से 20 या फिर 36/36 गुण भी मिल गए फिर भी उनके जीवन में तकलीफें हो रही हैं। ''पंडितों का कर्तव्य है कि आधुनिक समाज के माता पिता को कुण्डल के कुचक्र से बाहर निकालने में मदद करें। समाज में लोग बेटी के रिश्ते के लिए (लड़के में) चौबीस टंच का सोना खरीदने जाते हैं। हालात को क्या कहें माँ -बाप की नींद ही खुलती है 30 की उम्र पर। फिर चार-पाँच साल की यह दौड़-धूप बच्चों की जवानी को बर्बाद करने के लिए काफी है।''एक समय था जब खानदान देखकर रिश्ते होते थे। ''वो लम्बे भी निभते थे। समधी-समधन में मान मनुहार थी। सुख-दुःख में साथ था। रिश्ते-नाते की अहमियत का अहसास था। चाहे धन-माया कम थी मगर खुशियाँ घर-आँगन में झलकती थीं। कभी कोई ऊँची-नीची बात हो जाती थी तो आपस में बड़े-बुजुर्ग संभाल लेते थे। तलाक जो कि सनातन संस्कृति के रिश्तों में था ही नहीं, दाम्पत्य जीवन खट्टे-मीठे अनुभव में बीत जाया करता था। दोनों एक-दूसरे के बुढ़ापे की लाठी बनते थे और पोते-पोतियों में संस्कारों के बीज भरते थे। अब कहां हैं वो संस्कार? आज समाज की लड़कियाँ और लड़के खुले आम दूसरी जाति की तरफजा रहे हैं और दोष दे रहे हैं कि समाज में अच्छे लड़के या लड़कियाँ मेरे लायक नहीं हैं।

2. शादी से पहले "लड़कियों की नौकरी" बन रही है मुसीबत का सबब

अब एक नई सामाजिक समस्या उत्पन्न होने लगी है जिसकी घुटन अब अधिकांशतः घरों में देखने को मिलने लगी है क्योंकि बेटी को विवाह पूर्व नौकरी करवाना माता पिता के लिये अब मुसीबत का सबब बनता जा रहा है। आज अधिकांश माता पिता अपनी पुत्रियों को विवाह पूर्व नौकरी करवाकर अपने लिये एक समस्या तैयार कर रहे हैं और उन्हें उनके विवाह में जो समस्याएं आती हैं उसका हल निकालना उनके लिये अब दुष्कर होने जा रहा है।

समस्या को समझें

1. आत्म निर्भर हो जाने के कारण अधिकांश पुत्रियाँ माँ - बाप का विरोध करने लगी हैं। नहीं मानती बात।

2. नौकरियों में उनका वेतन अधिक होने से उनसे कम वेतन वाले लड़के उन्हें पसन्द नहीं आते हैं।

3. अन्य शहर में नौकरी करने के कारण उनके विजातीय लड़कों से रिलेशिनशिप की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता एवं लोक लाज का भय भी नहीं रह जाता है।

4. एक बार नौकरी करने पर नौकरी छोड़ने को तैयार नहीं होती, जिससे जिस शहर में नौकरी करती है उस शहर में ही कार्यरत लड़की से अधिक पैकेज वाला आपके शहर का रहने वाला सजातीय वर चाहिये जो कि माता पिता के लिये जटिल कार्य हो चुका है। ऐसे वर की तलाश में उनकी विवाह की उम्र निकल जाती है। ऐसा वर ढूँढ़ना उनके लिये ही क्या.....? किसी के लिये भी मुश्किल कार्य है। 5. बाहर के शहरों में रहने से लड़कियां स्वच्छंद तरीके से जीना सीख लेती हैं, फिर उसे पालकों द्वारा उपदेशित छोटी छोटी बातें भी संकीर्ण लगने लगती हैं।

6. उम्र का तकाजा कहें या शारीरिक बदलाव की वजह से बच्चियों में हार्मोनल परिवर्तन होते हैं जो उसे पुरुषों की ओर आकर्षित करते हैं पर उसके साथ घर का कोई सदस्य न होने से कोई रोक-टोक नहीं रहती जिससे वे गलत मार्ग पर चल पड़ती हैं और उचित मार्ग का निर्णय नहीं ले पाती। अतः सभी माता पिता से निवेदन है कि यह निर्णय ना लें कि कन्या को कुछ वर्ष नौकरी करा लेंगे फिर शादी करेंगे, अगर बहुत ही विपरीत परिस्थितियों में अगर नौकरी करवानी ही हो तो अपने ही शहर में अपने आंखों के सामने घर में ही रखकर नौकरी करवा सकते हो। 3. शादी के लिए लड़कियों की कमी हमारे समाज मे नहीं है, पर लड़के में ये सारी खूबियां भी तो होनी चाहिए। लड़के का 250 गज का मकान हो। लड़के की सरकारी नौकरी हो। लड़के के बैंक में 25 लाख का बैलेंस भी हो। लड़का अपने घर में इकलौता होना चाहिए। बहन ना हो या फिर उसकी शादी हो चुकी हो। लड़के के पास कार भी होनी चाहिए। लड़का लम्बा पतला और स्मार्ट होना चाहिए। लड़का शराब या सिगरेट भी ना पीता हो। लड़के के नाम जमीन और प्रॉपर्टी भी होनी चाहिए। घर में नौकरानी भी होनी चाहिए, क्योंकि लड़की को खाना बनाना भी तो नहीं आता। हमारी लड़की शादी के बाद भी जीन्स पहनेगी। लड़के वालों की कोई डिमांड नहीं होनी चाहिए। हमारे पास देने के लिए सिर्फ लड़की है लेकिन लड़का पैसा वाला होना चाहिए। लड़की जॉइंट फॉमिली में नहीं रहेगी। लड़की गांव में नहीं रहेगी, पर जमीन होना भी जरुरी है। इत्यादि इत्यादि अगर आप ये सभी शर्तें पूरी कर सकते हैं तो आपकी शादी हम अपनी लड़की से कर सकते हैं और एक बात और आपको हम होल्ड पर रखेंगे और साथ में रिश्ते भी देखते रहेंगे, क्या पता हमें और भी अच्छा रिश्ता मिल जाये.....। बाकि मना करने के लिए तो कुंडली का बहाना तो पक्का है ही.....। आज की बड़ी दयनीय स्थिति है, हमारे समाज की।

क्रमशः... शेष अगले अंक में....

धर्म प्रभावना हेतु बच्चों की साइकिल मैराथन रेस

नई दिल्ली। दि. जैन मंदिर सुभाष चौंक, लक्ष्मीनगर में मुनि श्री अनुमान सागरजी के सान्निध्य व जैन पाठशाला गेम्स अकादमी के सौजन्य से धर्म प्रभावना हेतु 14 मई को यहां से निर्माण विहार तक साइकिल मैराथन रेस आयोजित की गई, जिसमें अनेक बच्चों ने अपनी साइकिलों पर पंचरंगी ध्वज के साथ उत्साह से भाग लिया। जैन मंदिर के सामने मुनि श्री ने बच्चों को संबोधित किया, मंदिर के संरक्षक अनिल जैन व मनीष जैन, संजय जैन ने फीता काटकर रेस का शुभारंभ किया। सभी बच्चों का उत्साह देखने लायक था। वापसी पर मंदिर में विजेता 6 बच्चों को अंकुर जैन, विवेक जैन, नवभारत टाइम्स के रमेश जैन, सचिन जैन आदि ने ट्राफी तथा सभी बच्चों को गिफ्ट व नाश्ते के पैकेट देकर सम्मानित किया गया।

पंचकल्याणक में जन्म कल्याणक

महावीर सरावगी, संवाददाता

कुंवरपुर म. प्र. 15 मई। यहां पंचकल्याणक महोत्सव में दूसरे रोज जन्म दिन पर गजरथ महोत्सव पर विशेष शोभायात्रा निकाली गई। प्रवचन केसरी विश्रांत सागर महाराज ने कहा कि ऐसा भगवान का महोत्सव पहली बार हुआ जिसमें जैन समाज ही नहीं जैनेतर समाज भी देखने को उमड़ा।

जैन धरोहर दिवस

27 अप्रैल 2023 को मकराना दिगंबर जैन समाज द्वारा चन्द्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर मे श्रीमान निर्मल कुमार सेठी साहब की पुण्यतिथि 'जैन धरोहर दिवस' के रूप में मनायी। कार्यक्रम में पुण्यतिथि पर समाज द्वारा पुष्पांजलि अर्पित करके उनके व्यक्तित्व और कार्यक्रमों को याद किया गया एवं पुण्यतिथि के दिन गायों को चारा डाला गया। सभा में समाज के अध्यक्ष श्री सुनील कुमार ढिलवारी, सुनील कुमार जैन वसुंधरानगर विकास समिति अध्यक्ष, नितेश कुमार जैन, संदीप गोधा, प्रकाश जैन, गिरीश कुमार जैन, नवीन पांड्या, मनीष जैन, नवीन साहबजाज सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विश्व संग्रहालय दिवस मनाये जाने पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

निर्ग्रंथ सेंटर ऑफआर्कियोलॉजी के सभी 36 इकाइयों में पुरातत्व संयोजक नियुक्त

लखनऊ, 10 मई, 2023। सायं 7 बजे श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा एवं निर्ग्रंथ सेंटर ऑफआर्कियोलॉजी के तत्वावधान में आयोजित 18 मई को विश्व संग्रहालय दिवस मनाए जाने हेतु ऑनलाईन बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में श्रीमती ज्योति जैन बैंगलुरू द्वारा मंगलाचरण किया गया तत्पश्चात् दिनांक 9 मई, 2023 को श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा गुजरात प्रान्त के कार्याध्यक्ष श्री गजेन्द्र बाबूलालजी जैन, बड़ौदा के देवलोक गमन पर 1 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की सद्गति की कामना की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे तीर्थ संरक्षिणी महासभा के महामंत्री श्री राजकुमार जी सेठी द्वारा संग्रहालय दिवस की भूमिका एवं कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुये बताया गया कि जिस तरह से आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के देश भर में 36 सर्किल हैं उसी की भांति निर्ग्रंथ सेंटर ऑफ आर्कियोलॉजी में भी प्रत्येक 36 सर्किल में पुरातत्व संयोजकों की नियुक्ति की गई है। संगोष्ठी में तीर्थ संरक्षिणी महासभा के कार्याध्यक्ष श्री संजय दीवान द्वारा ईडर म्यूजियम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। आपके साथ डॉ. विनीत दोशी, इंजीनियर गिरीश सिंघई, गुजरात प्रान्त के अध्यक्ष यशवंत भाई शाह, चिराग जैन और केन्द्रीय संयोजक श्री योगेश जी जैन ने इसके संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

श्री कमल कुमार जैन रावंका, संयुक्त महामंत्री तीर्थ संरक्षिणी महासभा द्वारा स्वर्गीय निर्मल कुमार जी सेठी की प्रेरणा से देश भर में स्थापित 7 संग्रहालयों जिसमें लखनऊ, मथुरा, झांसी, मोहन्द्रा, सिरोन, मड़ावरा, गोरखपुर, पानीगांव के बारे में विस्तार से बताया गया। तमिलनाडु से विद्वान अनंतराज एवं अगस्त्योप्पन ने जैन धरोहर के संरक्षण के बारे में जानकारी दी गई। पुणे से विदूषी डॉ. नीलम जैन द्वारा भी संग्रहालयों के महत्व के बारे में जानकारी दी गयी।

इस अवसर पर तीर्थ संरक्षिणी महासभा के कार्याध्यक्ष श्री धर्मचंद जैन पहाड़िया, तीर्थ संरक्षिणी महासभा तमिलनाडु शाखा के अध्यक्ष महेन्द्र कुमार धाकड़ा, कर्नाटक शाखा के महामंत्री प्रकाशचंद जी पाटोदी, भद्रावती, महाराष्ट्र प्रान्त के महामंत्री महावीर दीपचंद ठोले, औरंगाबाद आदि ने अपनी बात रखी।

पाठशाला ने मनाया वार्षिक उत्सव

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

जयपुर शहर में जनकपुरी जैन समाज ने भगवान महावीर के ज्ञान कल्याणक दिवस पर 7 मई को एक वर्ष पूर्ण होने पर जैन पाठशाला का वार्षिक महोत्सव जोर शोर से मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के निदेशक पं. शीतल प्रसाद शास्त्री, प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार जैन व मानद मंत्री सुरेश कासलीवाल थे। इनके अलावा संस्थान के विद्वान अजीत शास्त्री, प्रदीप जैन व दीपक जैन की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम किरण जैन के मंगलाचरण व छात्रों के भक्ति नृत्य से प्रारम्भ हुआ। इससे पूर्व केसर देवी, नवीन, राकेश मित्रापुरा ने चित्र अनावरण, मयंक अर्पित पाटनी ने दीप प्रज्वलन किया। कार्यक्रम में अतिथियों का सत्कार पाठशाला के मुख्य संयोजक पदम जैन बिलाला व संरक्षक गणों ने तिलक दुपट्टा व माला पहनाकर किया, जिनेंद्र कुमार-चन्द्र कला जैन द्वारा शुभ भावना के साथ मंगल कलश व शिखर चंद-किरण जैन द्वारा विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा जिनवाणी की स्थापना की गई। पाठशाला के 26 नियमित व 30 द्वादश वर्षीय पाठ्यक्रम के छात्रों को वार्षिक महोत्सव पर पुरुस्कृत किया गया। पाठशाला के ही स्थानीय समाज के शिक्षक जे के जैन टोंक, जिनेंद्र बाकलीवाल, निकिता साखूनिया तथा कार्यकर्ता प्रियंका, रूबल, अर्चना, पूनम पंकज आदि का सम्मान किया गया। छात्रों व अतिथियों के लिए अल्पाहार पुण्यार्जक केसर देवी मित्रपुरा, रमेश चौधरी व पदम बैद रहे।

धर्मार्थ चिकित्सालय का हो रहा संचालन

जैन गजट संवाददाता

श्री चन्द्रप्रभ चेरिटेबल संस्था दुर्गापुरा जयपुर के द्वारा धर्मार्थ चिकित्सालय का संचालन 17.11.2005 से निरन्तर किया जा रहा है। संस्था द्वारा आयुर्वेद, एलोपैथिक, हौम्योपैथी व प्राकृतिक योग पद्धति से समाज के साथ आमजन के इलाज के साथ दवा भी निशुल्क दी जाती है। साथ ही समाज के जरुरतमंदों को नियमित रूप से चल रहे इलाज की निःशुल्क दवा, बच्चों को उनकी स्कूल/कालेज की फीस, पुस्तकें, स्टेशनरी आदि खाद्य सामग्री, रोजगार हेतु आवश्यक सामग्री, धन भी ऋण के ग्रुप में सहयोग प्रदान कर जैन सिद्धांत में वर्णित चारों प्रकार के दान यथा आहार, औषध, अभय व ज्ञान दान का अक्षरशः पालन किया जाता है। इसके अतिरिक्त रियायती दर पर सम्पूर्ण दंत चिकित्सा की भी सुविधा भी उपलब्ध है। मंदिर परिसर में चल रहे पाठशाला में समय समय पर सहयोग प्रदान किया जाता है। समय समय पर चिकित्सा शिविर का भी आयोजन कर आमजन को लाभ प्रदान किया जाता है तथा जी सी जैन अध्यक्ष, महावीर कुमार चांदवाड़ मानद मंत्री, श्री चन्द्रप्रभ चेरीटेबल संस्था दुर्गापुरा जयपुर में उक्त सम्पर्क सूत्रों के द्वारा 8505030011 जानकारी लेकर प्राप्त लाभ करें।

जैन गजट संवाददाता पारस पाटनी जी को एक साथ नौ माता जी का मिला मंगल आशीर्वाद

कोटा। विवेकानंद नगर स्थित श्री दिगंबर जैन मन्दिर में विराजमान भारत गौरव गणिनी प्रमुख विज्ञाश्री माता ससंघ ने पारस जैन पार्श्वमणि जैन गजट संवाददाता को उनकी 31 वर्षो की विभिन्न विराट धार्मिक अनुष्ठानों पंचकल्याणक के आयोजन की कवरेज फाइल देखकर प्रसन्न चित्र मुद्रा में पूरे संघ सहित अपना मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। वर्तमान समय में आपको आर. के. पुरम स्थित श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर के प्रचार-प्रसार मंत्री के पद पर भी नियुक्त कर रखा है। जैन गजट परिवार की ओर से बधाई।

समर कैम्प

अजमेर। महावीर इंटरनेशनल पद्मावती अजमेर द्वारा दिनांक 14.5.2023 को सुबह 10 बजे समरकैम्प का विधिवत् उद्घाटन गौड़ भवन, प्रेम नगर, फॉयसागर रोड पर किया गया। संरक्षक कमल गंगवाल व अशोक छाजेड़ ने इस मौके पर बताया कि सामाजिक सरोकार के उद्धेश्य के तहत आयोजित समर केम्प मैं पदमचंद जैन, अशोक छाजेड़, कमल गंगवाल व विजय पांड्या ने कैम्प के प्रत्येक बच्चे को उनकी प्रतिभानुसार सम्मानित करने की घोषणा की और ऐसे कैम्प शहर के प्रमुख कॉलोनियों मैं भी आयोजित किये जायेंगे।

बापूनगर में शोभायात्रा

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

जयपुर। दिगम्बर जैन समाज बापूनगर सम्भाग, बापूनगर जयपुर द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी महावीर जयन्ती पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जयपुर शहर के श्री सीमन्धर जिनालय, पंडित टोडरमल स्मारक भवन बापू नगर में महावीर जयंती के पावन अवसर पर डा. शांति कुमार पाटील ने धर्म ध्वज फहराया।

मैत्री फाउंडेशन ने श्रीमती अंजली जिनेश जैन का किया सम्मान

मनोज नायक

अम्बाह/मुरेना। मैत्री वेलफेयर पफाउंडेशन अम्बाह द्वारा समाजसेविका श्रीमती अंजली जैन का सम्मान किया गया। मैत्री वेलफेयर फाउंडेशन समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों का सम्मान करते हैं। समाजसेवियों के सम्मान की इसी श्रृंखला में मैत्री वेलफेयर फाउंडेशन की टीम ने नगरपालिका अम्बाह की अध्यक्ष श्रीमती अंजली जिनेश जैन का सम्मान किया।

यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में खण्डगिरि और उदयगिरि

भुवनेश्वर की सांसद अपराजिता सढ़ंगी ने हाल ही में संस्कृति मंत्री को खण्डगिरि-उदयगिरि पहाड़ियों को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल करने के लिए लिखा था। मा. संस्कृति मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने भुवनेश्वर सांसद के साथ खण्डगिरि-उदयगिरि गुफाओं का दौरा कर निरीक्षण किया। आशा है कि शीघ्र ही खण्डगिरि-उदयगिरि को विश्व विरासत स्थल का दर्जा प्राप्त होगा।

जन्म दिन की शुभकामनाएं

17 वर्ष तक तीनमूर्ती - पोदनपुर, मुंबई में मुनि, त्यागी, आर्यिकाओं को आहार तथा नवदीक्षित मुनियों को शास्त्र ज्ञान कराने में पं. माणिकचन्द जी काला का योगदान बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। श्रीमती सजनबेन ने पोदनपुर में आचार्य सन्मती सागर जी महाराज जी से सर्व संग परित्याग कर आर्यिका दीक्षा ली और सल्लेखना धारण कर अल्पावधि में समाधि भी हुई, ऐसे सुसंस्कारित माता- पिता की कन्या सौ. हेमलता जी ने 80 वर्ष पूरे कर 81वें वर्ष में पदार्पण किया है। आज भी वे झूम चैनेल पर सवेरे 7:30 से 10:00 बजे तक पूजा, अभिषेक, आरती, नियमित करती हैं। पिताजी डा. राजेश प्रख्यात डॉक्टर हैं, दिनेश अंकल केमिस्ट हैं, बुआ नीलम डॉक्टर हैं। दादी जी सौ. हेमलता जी ने दादाजी पत्रकार एम. सी. जैन के साहित्य लेखन में भी बहुत योगदान दिया। जन्मदिन पर बहुत बहुत शुभेच्छाएं।

अल्पसंख्यक आयोग पैनल सदस्य ने सुनी समस्याएं

डा. आर. के. जैन

यमुनानगर, 28 अप्रैल। मॉडल टाऊन जैन स्थानक के सभागार में अल्पसंख्यक आयोग के माध्यम से जैन समाज की समस्याएं सरकार तक पहुँचाने के उद्देश्य से एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एस. एस. जैन सभा के प्रधान राकेश जैन ने की तथा संचालन पूर्व मंत्री सतीश जैन व मंत्री संदीप जैन ने किया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित अल्पसंख्यक आयोग के पैनल सदस्य डा. आर. के. जैन ने सभा को संबोधित किया एवं जैन समाज की समस्यायें सुनीं।

TEERTHANKER MAHAVEER UNIVERSITY
Moradabad

Accredited with NAAC A Grade
12-B Status from UGC

22 years of Educational Excellence

A GRADE ACCREDITED BY NAAC
NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

OUTSTANDING PLACEMENT

Dr. Ashwani Jain
60 Lakh P.A.

Dr. Anshul Jain
48 Lakh P.A.

Dr. Vivek Bhandari
48 Lakh P.A.

Dr. Kirti Goyal Dhawan
45 Lakh P.A.

2800+ 2022-23 Session
• Students Placed
• Entrepreneur
• Higher Studies

300+ COMPANIES VISITED | **60** Lakh P.A. HIGHEST PACKAGE OFFERED

130 acres LUSH GREEN SPRAWLING CAMPUS

800 Bed MULTI & SUPER SPECIALITY HOSPITAL

"4 Star Rating Institution Innovation Council (IIC)" — INSTITUTION'S INNOVATION COUNCIL

GREEN RANKINGS-2023 "GOLD Band with A Grade" — World Institutional RANKING

"DIAMOND BAND with A+ Grade" — World Institutional RANKING

NBA NATIONAL BOARD OF ACCREDITATION — ACCREDITATION IN COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING

Member of the United Nations Academic impact (UNAI) — academic impact

ICAR Accredited (9th in India) In Private Institutions

जैन छात्र-छात्राओं हेतु विशेष छात्रवृत्ति

सत्र **2023-24** में जैन छात्र-छात्राओं को पाठ्यक्रम पूर्ण होने तक शिक्षण शुल्क एवं छात्रावास में निम्नानुसार छात्रवृत्ति-

A. Exemption upto 50% in Tuition fee for entire duration of the programme.*

B. Exemption in hostel fee (lodging) 50% for rooms with common bath and 25% for rooms with attached bath (entire duration of the programme.)

(The above scholarships shall not be applicable to programmes like MDS, MBBS and MD, MS programmes)

नियम व शर्तें लागू।

TMU, PNB A/C # -3942002100004339 IFSC Code - PUNB0394200

Education Loan — punjab national bank — SUNDAY OPEN

DIPLOMA/UG/PG/PhD PROGRAMMES OFFERED

MEDICAL
• **MBBS** • **MD** • **MS** (All Specializations)
(Admissions through UP NEET Counselling)

M.Sc. (Medical)
• Anatomy • Physiology • Biochemistry
• Pharmacology • Microbiology

DENTAL
• **BDS** • **MDS** (All Specializations)
(Admissions through UP NEET Counselling)

NURSING
• **ANM** • **GNM** • **PB B.Sc. Nursing**
• **B.Sc. Nursing**
• **M.Sc. Nursing** (All Specializations)

PARAMEDICAL SCIENCES
APPROVED BY U.P. STATE MEDICAL FACULTY, LUCKNOW (EXCEPT FORENSIC SCIENCE)
• **DXRT** • **BRIT** • **MRIT** (For X-Ray/ CT Scan / MRI)
• **DMLT** • **BMLT** • **MMLT** (For Blood Testing Lab)
• **D.Optom** • **B.Optom**
• **M.Optom** (For Eye Testing Lab)
• **B.Sc. (Forensic Science)**
• **M.Sc. (Forensic Science)**

NEW JOB ORIENTED DIPLOMA PROGRAMMES -
• Blood Transfusion • C.T. Scan • O.T.
• Emergency & Trauma Care • M.R.I.
• Cardiology • Dialysis
• Anesthesia & Critical Care
• Orthopaedic & Plaster • Neonatal Care
• Audio & Speech Therapy
• Intervention Radiology

PHYSIOTHERAPY
• **BPT**
• **MPT** • Obstetrics & Gynecology • Orthopaedics • Neurosciences • Cardiopulmonary • Sports • Paediatrics

PHARMACY
• **M.Pharm.** (Pharmacology/Pharmaceutics)
Rs. 5000/- per month will be given as stipend
• **Pharm.D.** (Doctor of Pharmacy)
• **Pharm.D.** (Post Baccalaureate)
• **D.Pharm.** • **B.Pharm.**
• **B.Pharm.** (2nd Yr Lateral Entry)

FINE ARTS
• **BFA** • **MFA**

COMPUTING SCIENCES & IT
AICTE Approved
• **B.Tech.** Computer Science and Engineering
• **B.Tech.** (CSE) 2nd Year Lateral Entry
• **B.Tech.** (CSE) Specialization in Artificial Intelligence, Machine Learning & Deep Learning
• **B.Tech.** 2nd Year Lateral Entry (CSE) Specialization in Artificial Intelligence, Machine Learning & Deep Learning

Collaboration with IBM
• **B.Tech.** (CSE) Application Development using Cloud and Analytics Platforms

Collaboration with iNURTURE Education Solutions
• **B.Tech.** (CSE) in Data Science
• **B.Tech.** (CSE) in Cloud Technology & Information Security
• **B.Tech.** (CSE) 2nd Year Lateral Entry in DS, CTIS
• **BCA** Mobile Applications & Web Technologies,
• **BCA** Cloud Technology & Information Security

Collaboration with TCS iON
• **B.Tech.** (CSE) in Data Science
• **M.Tech.** Computer Science and Engineering
• **BCA** Bachelor of Computer Applications
• **B.Sc.** (Hons.) Computer Science
• **B.Sc.** Cognitive Science
• **B.Sc.** Animation
• **MCA** Master of Computer Applications

FACULTY OF ENGINEERING
AICTE Approved
• **B.Tech.** • Computer Science & Engineering
• Computer & Communication Engineering *
• Electronics & Communication Engineering
• Electrical Engineering • Mechanical Engineering
• Civil Engineering
• **B.Tech.** 2nd year Lateral Entry (after Diploma/B.Sc.)
• **M.Tech.** Machine Learning & Data Sciences

Collaboration with TCS iON
• **B.Tech.** EC specialization in IoT
• **B.Tech.** ME specialization in Mechatronics

Basic Science Programmes
• **B.Sc. (Hons.)** Physics, Chemistry, Mathematics
• **B.Sc. (Hons.)** Environment & Sustainability
• **M.Sc.** Physics, Chemistry, Mathematics

DIPLOMA IN ENGINEERING
• **Civil** • **Electrical** (after 10th)
• **Computer Science**
• **Electronics** specialization with Data Science, Robotics & Automation, Mobile Technology
• **Mechanical** specialization with Automobile Production, Refrigeration & Air Conditioning
• **2nd Year Lateral Entry in above specializations (after 12th / ITI)**

MANAGEMENT & COMMERCE
• **B.Com.** (Hons.) • **B.Com.** (Pass)
• **BBA** - General • **MBA** - Hospital Management
• **MBA** - Marketing, HR, IB, Finance
• **MBA** - Agri. Business
• **MBA** - Executive • **MBA** - Evening

Collaboration with UNITED RESOURCING SERVICES PVT. LTD.
• **BBA** - International Business and Entrepreneurship
• **MBA** - Industry Integrated with Global Exposure

Collaboration with Safeducate
• **MBA** - Supply Chain Management & Logistics

Collaboration with epch
• **MBA** - Handicrafts Export Management

Collaboration with BSE
• **B.Com.** (Hons.) Financial Markets

LAW
5 Years Integrated Programmes
• **BA-LL.B.** (Hons.)
• **BBA-LL.B.** (Hons.)
• **B.Com. -LL.B.** (Hons.)
• **LL.M.**

AGRICULTURE SCIENCES ICAR ACCREDITED
• **B.Sc. (Hons.)** - Agriculture
• **M.Sc.** - Agronomy

EDUCATION
• **B.Sc.-B.Ed.** (4 yrs.Integrated)
• **B.A.-B.Ed.** (4 yrs.Integrated)
• **B.El.Ed.** • **B.A.** • **B.Sc.** (ZBC/PCM)
• **B.Ed.** • **M.Ed.** • **D.El.Ed.** (BTC)

PHYSICAL EDUCATION
• **B.P.Ed.** • **M.P.Ed.**
• **PGDYEd.** (Post Graduate Diploma in Yoga Education)
• **B.P.E.S** (Bachelor of Physical Education & Sports)

Ph.D. in various disciplines

Admission Toll Free No. - 1800-270-1490 9837163111
Email : admission@tmu.ac.in, admissions@tmu.ac.in
CAMPUS ADMISSION OFFICE NH-24, DELHI ROAD, MORADABAD (U.P.)
Note :- In case of no response from any above mentioned numbers, please contact -7060508828, 9837848862

SCAN HERE TO APPLY

* Approval under process

विगत 8 सत्रों मे विश्वविद्यालय द्वारा अपने श्रोत से **Rs. 60** करोड़ से अधिक की छात्रवृत्ति **2500** से अधिक जैन छात्र-छात्राओं को दी जा चुकी है।

जैन छात्र-छात्राओं के लिए कैम्पस में जैन जिनालय तथा छात्रावास में सूर्यास्त से पहले भोजन की व्यवस्था है।

स्वागत है श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के नये आजीवन सदस्यों का

राजकुमार जैन
21/482, गांधी रोड
पो. बड़ौत जिला बागपत (उ.प्र.)

ललित कुमार जैन
28/40, गली इमली वाला मंदिर,
गांधी रोड पो. बड़ौत (बागपत) उ.प्र.

राजीव जैन
ए-3, राजेन्द्र पुरम
गंगा नगर, मावामा रोड,
मेरठ, उ.प्र.

मुकेश कुमार जैन
22/108, जैन गली-2,
महावीर मार्ग
पो. बड़ौत जिला बागपत (उ.प्र.)

बड़ौत एवं मेरठ के सदस्य बनने हेतु प्रेरणास्रोत
श्री प्रमोद जैन, बड़ौत
(श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा चेरिटबल ट्रस्ट के सम्मानित ट्रस्टी एवं श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के केन्द्रीय उपाध्यक्ष)

राहुल शरद मिश्रीकोडकर
अरिहंत होंडा, सेक्टर-,
टाऊन सेंटर, जालना रोड,
औरंगाबाद-431005 (महाराष्ट्र)

आप सभी महानुभावों ने 11000/. रु. प्रदान कर श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की केन्द्रीय आजीवन सदस्यता ग्रहण की है जिसके लिये महासभा परिवार आपका अत्यंत आभारी है ।

- एकाग्रता बिना कोई भी कार्य संभव नहीं है।
- होनहार को स्वीकार, इससे मिलेगा निश्चिन्तता का उपहार।

अनिल कुमार जैन
23/199, शांतिनाथ जैन मंदिर,
सुल्तानगंज, पो. बड़ौत, (बागपत) उ.प्र.

राजेश कुमार जैन
11/382, खन्नी गढ़ी
पो. बड़ौत जिला (बागपत) उ.प्र.

जिनेन्द्र कुमार जैन
कार्यालय-पद्मचंद हुकमचंद जैन,
भगवान महावीर मार्ग,
रेल्वे रोड, दुकान नं. 20,
पो. बड़ौत बागपत, उ.प्र.

हंस जैन
23/111, मंडी सुल्तानगंज
पो. बड़ौत
जिला बागपत, उ.प्र.

कैलाश चन्द जैन (रारा)
C-504, V3, क्षितिज अपार्टमेन्ट,
न्यू टिम्बर मार्केट, फाफाडीह,
रायपुर-490042, छत्तीसगढ़

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी जिला-करौली (राज.)

आवश्यकता

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी जिला-करौली (राज.) में निम्न पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं -

1-	मैनेजर	-	स्नातक एवं शीर्ष दिगम्बर जैन संस्था में 10 वर्ष का कार्यानुभव।
2-	सिविल इंजीनियर	-	सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री/डिप्लोमा एवं 05 वर्ष का कार्यानुभव।
3-	इलेक्ट्रिक इंजीनियर	-	इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग में डिग्री/डिप्लोमा एवं 05 वर्ष का कार्यानुभव।
4-	कम्प्यूटर इंजीनियर	-	कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में डिग्री/डिप्लोमा एवं कम्प्यूटर एप्लीकेशन में 5 वर्ष का कार्यानुभव
5-	विशेषाधिकारी	-	स्नातक एवं शीर्ष दिगम्बर जैन संस्था में 07 वर्ष का कार्यानुभव।
6-	प्राकृतिक चिकित्सक, योग-प्राकृतिक चिकित्सालय	-	बीएनईएस डिग्रीधारी तथा बड़े चिकित्सालय में 10 वर्ष का अनुभव।
7-	चिकित्सक (पुरूष), अस्पताल एवं प्रसूति गृह	-	एम. बी. बी. एस./एम.डी. (सामान्य चिकित्सा) तथा बड़े अस्पताल में 5 वर्ष का अनुभव।
8-	चिकित्सक (महिला), अस्पताल एवं प्रसूति गृह	-	एम. बी. बी. एस. (स्त्री रोग विशेषज्ञ) तथा बड़े अस्पताल में 05 वर्ष का अनुभव।
9-	पुजारी	-	दिगम्बर जैन मन्दिर में 05 वर्ष का पूजा-प्रक्षाल कार्य का अनुभव।

आवास सुविधा उपलब्ध। वेतन आपसी सहमति पर। क्र. सं. 9 के लिए वेतन योग्यतानुसार। सेवानिवृत्त व्यक्ति भी आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक व्यक्ति अपना आवेदन पूर्ण विवरण सहित 15 दिवस की अवधि में मानद मंत्री, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी, कुन्दकुन्द भवन परिसर, दिगम्बर जैन नसियाँ भट्टारकजी, नारायणसिंह सर्किल, जयपुर को अथवा E-Mail : mahaveerjitrust@gmail.com पर प्रेषित करें।

सम्पर्क सूत्र: मो. 9829499222 एवं 9414302986

- महेन्द्र कुमार पाटनी, मानद मंत्री

पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92

Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on
Every Monday, wednesday and thursday

डाक पंजीयन संख्या :
SSP/LW/NP/115/2021-2023

If Undelivered Please Return To : Publisher- Jain Gazette
C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh,
Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Mob. 7880978415,
9415108233, 7505102419 Web site- jaingaztte.com
email- jaingazette2@gmail.com whatsapp 7607921391

To,
.....
.....
.....

एक प्रति का मूल्य 3/- रुपये (कार्यालय से लेने पर)

वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-,
दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-
(डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिरिक्त देय होगा)

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।